2 राज्य की उत्पति का ऐतिहासिक सिद्धांत
(HISTORICAL THEORY OF THE ORIGIN OF THE STATE

राज्य की उत्पति का विकासात्मक (Evolutionary) या ऐतिहासिक सिद्धान्त राज्य को अन्य मानव संस्थाओं की तरह ऐतिहासिक विकास का परिणाम मानता है। इसके अनुसार राज्य न तो कोई दैवी संस्था है। न बल - प्रयोग का परिणाम है। न तो कोई कोई दैवी संस्था है, न बल प्रयोग का परिणाम है। न ऐसा सान्धान है जिसे मनुष्यों ने सोच विचार कर और मिल - जुलकर एक बना डाला है।
वास्तव में राज्य मनुष्य के सामाजिक जीवन के क्रमिक विकास का स्वाभाविक परिणाम है।
मनुष्य ने राज्य का, ~~अस्विकार~~ आविष्कार नहीं किया। बल्कि उसने अपने सामाजिक जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए धीरे - धीरे जो विविध संगठन बनाए, उन्हीं में से राज्य अपने आप विकसित हुआ है।

उदारवादी दृष्टिकोण
(Liberal viewPoint)

राज्य की उत्पति के ऐतिहासिक सिद्धान्त के अंतर्गत आर. एम. मैकाइवर के विचार उदारवादी दृष्टिकोण का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करते हैं। मैकाइवर से पहले सर हेनरी मेन और वाल्टर बेजहॉट ने विकासवादी दृष्टिकोण से राज्य की उत्पति की रूपरेखा प्रस्तुत की थी। इनके विचार भी उदारवादी दृष्टिकोण की पुष्टि करते हैं।

हेनरी मेन के विचार (Henry maines views)

हेनरी सम्नर मेन या सर हेनरी (1822-88)

उन्नीसवीं शताब्दी का ब्रिटिश न्यायविद् (Jurist) कानूनी इतिहासकार (Legal historian) और राजनीतिक विचारक था। उसकी विशेष ख्याति का स्रोत है, उसकी कृति एंशिएंट लॉ : इट्स कनेक्शन विद द एर्ली हिस्टरी ऑफ सोसायटी, एंड इट्स रिलेशन टू मॉरल आइडियाज प्राचीन कानून : समाज के आरंभिक इतिहास के साथ इसका संसर्ग और नैतिक आदर्शों से इसका संबंध। (1861)। इसके अंतर्गत उसने रोमन न्यायशास्त्र (Roman jurisprudence) के विकास को ध्यान में रखते हुए यूरोप में प्रचलित कानून और न्याय की संकल्पनाओं के आरंभिक इतिहास का विवरण दिया है।

मेन ने आरंभिक समाजों और बाद के प्रगतिशील एवं जटिल समाजों में मनुष्यों के सामाजिक संबंध "स्थिर स्थिति के (STATUS) ~~से आच्छादित~~ निर्धारित होते हैं। उनमें व्यक्तियों के परस्पर संबंध एक ही परिवार के सदस्यों के संबंध जैसे होते हैं। दूसरे शब्दों में वहाँ व्यक्ति एक स्वजन समूह (Kinship Group) के सदस्य के रूप में बने बनाए संबंधों से घिरा रहता है।

बेजहॉट के विचार
(Bagehot's view)

वाल्टर बेजहॉट (1826-77) उन्नीसवीं शताब्दी का प्रसिद्ध ब्रिटिश पत्रकार, राजनीति-सिद्धान्तकार और संविधान मर्मज्ञ था। उसकी मुख्य कृतियां द इंग्लिश कॉन्स्टीट्यूशन (इंग्लैंड का संविधान) (1865) और फिजिक्स एंड पॉलीटिक्स (विज्ञान और राजनीति) (1867)